



एनीमिया मुक्त भारत

प्रलिस के लयः

एनीमिया मुक्त भारत, 6X6X6 रणनीतऱ, राष्ट्रऱय परवार स्वास्थय सर्वेक्षण 2019-20, प्रधानमंत्री सुरक्षतऱ मातृत्व अभयान ।

मेन्स के लयः

महलऱ एवं बाल कल्याण, स्वास्थय पहल ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थय और परवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा एनीमिया मुक्त भारत (Anaemia Mukta Bharat- AMB) रणनीतऱ के बारे में जानकारऱ साझा की गई है ।

- वर्ष 2018 में भारत सरकार द्वारा महलऱओं, बच्चों और कशऱरों जैसे सुभेदय आयु समूहों में एनीमिया को कम करने के लक्ष्य के साथ ABM रणनीतऱ (AMB strategy) को शुरू कयऱ गया ।
- ABM रणनीतऱ एक जीवन चक्र दृष्टऱकोण पर आधरतऱ है, जो 6X6X6 रणनीतऱ के माध्यम से नवारक और उपचारात्मक तंत्र परदान करती है जसऱमें छह लक्षतऱ लाभार्थऱयों (Six Target Beneficiaries), छह हसतऱक्षेप (Six Interventions) और रणनीतऱको लागू करने हेतु सभऱ हतऱधारकों के लयऱ छह संस्थागत तंत्र (Six Institutional Mechanisms) शामिल हैं ।

प्रमुख बढऱ

एनीमिया के बारे में:

- यह एक ऐसी स्थतऱतऱ होती है जसऱमें शरीर में रक्त की जरूरत को पूरा करने के लयऱ लाल रक्त कोशकऱओं की संख्या या उसकी ऑक्सीजन वहन क्षमता अपर्याप्त होती है । यह क्षमता आयु, लगऱ, धूमरण और गर्भावस्था की स्थतऱतऱयों के साथ परवऱरतऱ होती रहती है ।
- लौह (Iron) की कमी इसका सबसे सामान्य लक्षण है । इसके साथ ही फोलेट (Folate), वटऱमनऱ बी 12 और वटऱमनऱ ए की कमी, दीर्धकालकऱ सूजन व जलन, परजीवी संक्रमण तथा आनुवंशकऱ वकऱर भी एनीमिया के कारण हो सकते हैं ।
- एनीमिया की गंभीर स्थतऱतऱमें थकान, कमजोरी, चक्कर आना और सुस्ती इत्यादऱ समस्याएँ होती हैं । गर्भवती महलऱएँ और बच्चे इससे वशऱष रूप से परभावतऱ होते हैं ।
- राष्ट्रीय परवार स्वास्थय सर्वेक्षण 2019-20 के अनुसार, भारतीय महलऱएँ और बच्चे अत्यधकऱ एनीमकऱ हैं ।
 - चरण 1 के तहत 22 राज्यों और केंद्रशासतऱ प्रदेशों का सर्वेक्षण कयऱ गया तथा इनमें से अधकऱगंश राज्यों एवं केंद्रशासतऱ प्रदेशों में आधे से अधकऱ बच्चे व महलऱएँ एनीमकऱ पाए गए ।
- वशऱव स्वास्थय संगठन (WHO) के अनुसार, इसी प्रजनन आयु वर्ग की वे महलऱएँ जनऱका हीमोग्लोबनऱ का स्तर 12 ग्राम प्रति डेसीलीटर (जी/डीएल) से कम है तथा पाँच साल से कम उमर के जनि बच्चों में हीमोग्लोबनऱ का स्तर 11.0 ग्राम/डीएल से कम है, उन्हें एनीमकऱ माना जाता है ।

AMB रणनीतऱ की मुख्य वशऱषतऱएँ:



ANEMIA MUKHT BHARAT 6x6x6 STRATEGY



Children, 6–59 months of age



Adolescent girls and boys (10–19 years of age)



Pregnant women



Children, 5–9 years of age



Women of reproductive age (20–24 years of age)



Lactating mothers (of 0–6 months child)

6 Beneficiaries



6 Interventions

Prophylactic Iron Folic Acid Supplementation



Deworming



Intensified year-round Behaviour Change Communication Campaign (Solid Body, Smart Mind) including ensuring delayed cord clamping



Texting of Anemia using digital methods and point of care treatment



Mandatory Provision of Iron Folic Acid fortified foods in public health programmes



Addressing non-nutritional causes of anemia in endemic pockets, with special focus on malaria, haemoglobinopathies and fluorosis



6 Institutional Mechanisms



National Anemia Mukht Bharat Unit



Intra Ministerial Coordination



Strengthening Supply Chain and Logistics



Convergence with Other Ministries



National Centre of Excellence and Advanced Research on Anemia Control



Anemia Mukht Bharat Dashboard and Digital Portal – One Stop Shop for Anemia

unicef for every child

एनीमिया को नियंत्रित करने के लिये अन्य सरकारी पहलें:

- स्वास्थ्य राज्य का वषिय है और राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कार्यान्वयन सहित स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को मज़बूत करने की प्राथमिक ज़िम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार की है।
 - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय [राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन](#) के तहत राज्यों/केंद्रशासित क्षेत्रों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है।
- **वीकली आयरन और फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन (WIFS):** यह कार्यक्रम कशोरियों और लड़कों के बीच एनीमिया के उच्च प्रसार की घटनाओं से संबंधित चुनौती को पूरा करने के लिये लागू किया जा रहा है।
 - WIFS के तहत आयरन फोलिक एसिड (IFA) टैबलेट का पर्यवेक्षण साप्ताहिक अंतरग्रहण शामिल है।
 - कृमि संक्रमण को नियंत्रित करने के लिये एल्बेंडाज़ोल (Albendazole) के साथ द्विवार्षिक **कृमिनाशक** दवा दी जाती है।
- **स्वास्थ्य परबंधन सूचना प्रणाली और मातृ शशु ट्रैकिंग प्रणाली:** एनीमिया से पीड़ित वंशिय रूप से गर्भवती महिलाओं के मामलों की नियमिति जाँच के लिये स्वास्थ्य सूचना परबंधन प्रणाली और बच्चों के लिये भी वंशिय प्रणाली को लागू किया जा रहा है।
- **एनीमिया हेतु गर्भवती महिलाओं की सार्वभौमिक जाँच:** प्रसव पूर्व एनीमिया की जाँच भी गर्भवती महिलाओं की जाँच का एक हिस्सा है। सभी गर्भवती महिलाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों के माध्यम से प्रसव पूर्व अन्य सुविधाओं के साथ आयरन एवं फोलिक एसिड की

गोलियाँ भी प्रदान की जाएंगी। इसके लिये ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दविसों का भी आयोजन कयिा जाएगा।

- **प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभयान (PMSMA):** एनीमयिा के मामलों का पता लगाने और उनका इलाज करने के लयिे चकित्सा अधिकारयिों की मदद से हर महीने की 9 तारीख को वशिष एएनसी जाँच कराने पर ध्यान केंद्रति करने हेतु इसे शुरू कयिा गया है।
- एनीमयिा के गंभीर मामलों से नपिटने के लयिे ज़िला अस्पतालों और सामुदायकि स्वास्थ्य केंद्रों में **रक्तकोष भंडारण इकाइयों** की स्थापना की जा रही है। **पोषण अभयान** के तहत भी एनीमयिा नयितरण पर वशिष ध्यान दयिा जा रहा है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/anaemia-mukt-bharat>

